दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 11.01.2025

प्रकाशनार्थ

दिनांक 11.01.2025 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर के वाणिज्य विभाग के तत्वावधान में युगपुरुष महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यानमाला : 2024–25 के अन्तर्गत स्वामी विवेकानन्द जंयती की पूर्व संध्या पर 'आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. संजीत कुमार गुप्ता, कुलपति, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया ने कहा कि भारत भूमि मार्गदर्शन प्रदान करने वाली भूमि है। वैश्विक परिस्थिति में युवाओं को आत्मनिर्भर बनना होगा, जिस दिशा में उन्हें एक अच्छा मनुष्य बनने के लिए स्वामी विवेकानन्द से प्रेरणा लेनी चाहिए। भारत के युवाओं को अपनी मूल पहचान कायम करना होगा जो आत्मनिर्भरता को प्रस्तुत करता है। भारत की संस्कृति में आत्मनिर्भर से तात्पर्य मात्र उत्पादन ही नही बल्कि आत्मसंतुष्टि भी है। इस हेतु युवाओं को अपनी सोच बदलनी होगी क्योकि जीवन में व्यक्ति छोटे कार्यों से ही बड़ा बनता है इसलिए हमें जीवन में क्रियात्मक रहना जरूरी है। हमें अपने कार्य संस्कृति पर विचार करना होगा तभी अपेक्षित आत्मनिर्भरता प्राप्त हो सकेगी। हमारी अपनी एक अलग पहचान व सांस्कृतिक विरासत रही है जिसे आत्मसात करने की जरूरत है। आज अयोध्या के श्रीराम मन्दिर की स्थापना से सांस्कृतिक विकास के साथ ही आर्थिक विकास भी हो रहा है। इसी क्रम में कुम्भ की संस्कृति से भी आर्थिक विकास हो रहा है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. ए.के तिवारी, पूर्व विभागाध्यक्ष, वाणिज्य विभाग, दी0द0उ0 गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने कहा कि आत्मनिर्भरता कोई नया शब्द नही है। स्वाधीनता आन्दोलन में भी सामाजिक, आर्थिक आत्मनिर्भरता की बात कही गयी। विकसित भारत 2047 का लक्ष्य आत्मनिर्भरता के माध्यम से ही पूरा किया जा सकेगा। देश में लाकडाउन के समय प्रधानमंत्री 20 हजार करोड़ रूपये का एक विशेष पैकेज लेकर आये। हमारे लघु व गृह उद्योग जो विलुप्त होने के कगार पर थें, उन्हें सहेजने पर ध्यान दिया गया। सरकार के प्रोत्साहन व युवाओ की क्षमता से मात्र तीन महीने में ही पी.पी.ई किट निर्यात करने में भी महारथ हासिल किया गया, साथ ही वेंटिलेटर बनाने में भी हम आत्मनिर्भर हुए। यदि समाज में सम्मान के साथ जीना है तो हमें आत्मनिर्भर बनना ही होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि पूरे विश्व में युवाओं के लिए स्वामी विवेकानन्द प्रेरणास्रोत है। विवेकानन्द जी के सपनों को पूरा करने के लिए युवाओं की प्रमुख भूमिका है। युवा वह है जिसके आखों में अतीत का वैभव, वर्तमान की पीड़ा व भविष्य के सपने हों। हम परावलम्बी पद्धति के माध्यम से विकास के मार्ग पर चल रहे है, जिस पर विचार करने की आवश्यकता है। हम अपनी परम्परा, परिपाटी व परिवार को छोड़कर विकास के अन्धे दौड़ में दौड़ रहे है। जीवन में प्रयास से कुछ भी संभव है, इसे युवाओं को समझना होगा और इस दिशा में अपना लक्ष्य तय करना होगा।

आज के कार्यक्रम में विषय प्रवर्तन व संचालन डॉ. अभय मालवीय एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. संजीव सिंह, प्रभारी वाणिज्य विभाग ने किया। उक्त अवसर पर व्याख्यानमाला के संयोजक डॉ. विवेक शाही, डॉ. संजय तिवारी, डॉ. चण्डी पाण्डेय, डॉ. सुभाष गुप्ता, श्री दीपक साहनी, डॉ. सुनील सिंह, डॉ. कमलेश मौर्य, श्री अंकित पाण्डेय सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

उक्त कार्यक्रम की जानकारी महाविद्यालय के सह–मीडिया प्रभारी डॉ सुनील कुमार सिंह ने दी।

डॉ.(सुनील कुमार सिंह)
सह–प्रभारी सूचना एवं जनसम्पर्क